फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 268 प्रभात जयपुर, मंगलवार 30 अप्रैल, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Indian Military Changed the course Of The Two World Wars

In late April 1915, during the Second Battle of Ypres, the Indian military were among the first to be exposed to chemical warfare.

Nanoparticles Could Fight Multiple Strains Of Covid Virus

क्या गहलोत की टीम बाड़मेर में कांग्रेस के उम्मीदवार उम्मेदाराम बेनीवाल को हराने के लिये लगी रही अंत तक?

उम्मेदाराम बेनीवाल को हराने के लिये गहलोत टीम बाड़मेर में निर्दलीय उम्मीदवार रविन्द्र सिंह भाटी के पक्ष में दिलो जान से कार्यरत रही

- गहलोत की टीम के सदस्य थे, मेवाराम जैन, वी.पी. सिंह राठौड़, अमीन खान। अमीन खान को तो कांग्रेस से निष्कासित भी किया गया है, रविन्द्र सिंह भाटी के पक्ष में भारी संख्या में मुस्लिम वोट डलवाने के कारण।
- बेनीवाल ग्रुप के लोग, दो कारों का किस्सा बड़े जोर-शोर से सुना रहे हैं, गहलोत टीम की इस साजिश को प्रमाणित करने के लिये।
- किस्से के अनुसार, गहलोत को बाड़मेर आना था, घोषित प्रोग्राम के अनुसार कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में चुनाव प्रचार करने।
- उनकी बाड़मेर यात्रा के लिए दो गाड़ियां बुक की गयीं, गहलोत के नाम से तथा उत्तरलायी एयरपोर्ट पर इन दोनों गाड़ियों को प्रवेश करने की इजाज़त के लिये स्वीकृति भी प्राप्त की गयी।
- पर, अन्ततोगत्वा गहलोत बाड़मेर नहीं आये तथा इन गाड़ियों का उपयोग रविन्द्र सिंह भाटी ने किया।
- ये गाड़ियां टैक्यिसां नहीं थीं, वरन् मेवाराम जैन के नजदीकी व्यक्ति की प्राइवेट गाडियां थीं, जो गहलोत के लिये उपलब्ध करायी गई थीं।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। अपने पक्ष में अशोक गहलोत कह रहे हैं कि, गाड़ियाँ जैन ट्रैवल्स से किराए पर ली गई थीं, लेकिन, जब उनके पुत्र वैभव की सनलाइट ट्रैवल्स नाम की अपनी ही कंपनी है तो कारें किसी और कंपनी से किराए पर क्यों ली जानी चाहिए।

जानकार लोगों का कहना है कि, जो गाड़ियाँ इस्तेमाल की जा रही थीं वो टैक्सी नहीं, प्राइवेट गाड़ियाँ थीं।

ये कारें मेवा राम जैन के करीबी लोगों की थीं। ज्ञातव्य है कि, मेवा राम जैन को पार्टी से निकाल दिया गया था, लेकिन, वो अभी भी गहलोत के काफी करीब हैं और गहलोत उन्हें पार्टी में वापस लाने का प्रयास कर रहे हैं।

ये वही मेवा राम हैं, जिनके वीडियो से राजनीतिक क्षेत्रों में हलचल मच गई थी, और जिसके कारण उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया था।

अशोक गहलोत तथा मेवा राम जैन के एक और करीबी व्यक्ति हैं वी.पी. सिंह राठौड़, जो कांग्रेस के आदमी हैं लेकिन उनका फेस बुक पेज रविन्द्र सिंह भाटी के प्रचार से भरा हुआ है।

अमीन खान की भी यही कहानी है, जिन्हें भी पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया गया है। इस पूरी टीम की निष्ठा अशोक गहलोत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ट्रेन में यात्री के सामान की चोरी के लिए रेलवे जिम्मेदार'

जयपुर, 29 अप्रेल। जिला उपभोक्ता आयोग ने चलती ट्रेन में यात्री के सामान की चोरी के लिए रेलवे प्रशासन को जिम्मेदार माना है और उत्तर-पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक को कहा है कि, मानसिक संताप और परिवाद व्यय के तौर पर परिवादी को डेढ़ लाख रुपए अदा करे। इसके अलावा, चोरी हुए एक लाख सत्तर हजार रुपए व अस्सी हजार रुपए की अंगूठी की कीमत भी, परिवाद पेश करने की तिथि से नौ फीसदी ब्याज सहित अदा करे। आयोग अध्यक्ष अशोक शर्मा और सदस्य विनोद कुमार सैनी ने यह आदेश रश्मि शाह के परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि परिवादी ए.सी. कोच में यात्रा कर रही थी और इस दौरान उसके सामान की रक्षा करने की जिम्मेदारी रेलवे के कर्मचारियों की थी। कर्मचारियों की लापरवाही के कारण परिवादी का सामान चोरी हो गया।

- जिला उपभोक्ता आयोग ने रश्मि शाह के परिवाद पर यह निर्णय सुनाया और रेल्वे पर डेढ़ लाख रू. का हर्जाना लगाया।

परिवाद में कहा गया कि, परिवादी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बी.ए.पी. की कड़ी चुनौती के बाद भी बांसवाड़ा-डूंगरपुर सीट भाजपा के पास जाने के संकेत

पर जीत का अंतर बहुत कम रहने की संभावना है

- इस सीट पर अंतिम समय में कांग्रेस और बाप पार्टी का गठबंधन हुआ और नेतृत्व के निर्देश के बाद भी कांग्रेस प्रत्याशी अरविन्द डामोर ने नाम वापस नहीं लेकर मुकाबला त्रिकोणीय बना दिया और भाजपा की राह आसान कर दी।
- बाप पार्टी की तरफ से युवा नेता राजकुमार रोत मैदान में हैं, उनके पास युवा वर्ग का भारी समर्थन है, पर भाजपा प्रत्याशी महेन्द्रजीत सिंह मालवीय, जो कांग्रेस से आए हैं, का क्षेत्र में काफी दबदबा है, उनके पास धन और संगठन की ताकत है, साथ ही वे बेहद अनुभवी भी हैं।
- सूत्रों का कहना है कि, इस सीट पर मालवीया ही कांग्रेस के सबसे कद्दावर नेता थे, अब वे भाजपा में चले गए हैं तो स्वाभाविक ही है कि, कांग्रेस कमजोर पड़ गई है।

उदयपुर, 29 अप्रेल (कासं)। बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा सीट के 8 विधानसभा क्षेत्रों में इस बार 72.77 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया। आंकड़ों में देखे तो यह मतदान पिछले चुनाव की तुलना में 0.13 प्रतिशत कम रहा है। यहां भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) और भाजपा के बीच सीधा मुकबला है। हालांकि यहां कांग्रेस प्रत्याशी ने नामांकन वापस नहीं लेकर त्रिकोणीय संघर्ष की स्थिति खड़ी कर दी, जिसका फायदा भाजपा को मिलता दिख रहा है। राजनीतिक जानकारों का भी मानना है कि जीत का संकेत भाजपा की ओर जाता दिख रहा है।

इस सीट पर 2009 में 52.68 फीसदी मतदान हुआ था तब कांग्रेस जीती थी। लेकिन बाद में 2014 में मतदान 68.86 और 2019 में 72.75 फीसदी मतदान हुआ तो दोनों ही बार फायदा भाजपा को मिला, दोनों बार मोदी लहर थी। इस बार 0.13 प्रतिशत वोटिंग कम हुई है और मोदी लहर भी बरकरार है, लेकिन जिस तरह से बी.ए.पी. यहां से हमेशा स्थानीय और जातिगत उठती रही है उससे इस सीट पर बाप पार्टी का जोर भी है और कांग्रेस को इसी वजह से गठबंधन करना पड़ा। बाप पार्टी ने चुनाव भी स्थानीय मुद्दों पर लड़ा है, हालांकि बाप पार्टी ने जोरदार कोशिश की है लेकिन, भाजपा प्रत्याशी महेन्द्र जीत सिंह मालवीय की जीत की संभावना ज्यादा प्रबल है भले ही जीत का अंतर कम रह सकता है। भाजपा प्रत्याशी महेंद्र जीत सिंह मालवीया वागड़ की राजनीति में एक बड़ा अनुभव रखते हैं। वर्ष 2014 में जब मोदी की लहर थी तब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के कई दिग्गज मंत्री और नेता हार गए लेकिन तब भी मालवीया जीते थे। इस सीट पर मालवीया के कारण ही कांग्रेस का वर्चस्व था, अब जब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हमने जमानत के लिये अर्जी इसलिये नहीं डाली, क्योंकि गिरफ्तारी ही गैर कानूनी थी'

- केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल की जमानत पर पुरजोर बहस की। सिंघवी ने यह भी कहा कि, "गिरफ्तार करने का अधिकार, गिरफ्तारी को आवश्यक नहीं बना देता। केवल संदेह (सस्पिशन) के कारण गिरफ्तारी नहीं की जा सकती, "गिल्ट" (दोष) स्थापित करना जरूरी है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने शीर्ष अदालत से अनुरोध किया कि गिरफ्तारी का कारण सिर्फ संदेह ना होकर अपराध सिद्धि होना चाहिए। सिंघवी ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए उसे संघीय ढांचे व स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों पर आधारित लोकतंत्र के सिद्धांतों पर एक अभूतपूर्व प्रहार की संज्ञा दी।

सिंघवी ने तर्क दिया कि माननीय जज ऐसा कोई भी केस नहीं ढूंढ़ पाएंगे जिसमें प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पी.एम.एल.ए.) की धारा 50 पर ध्यान दिए बिना गिरफ्तारी की गई हो। उन्होंने कहा कि इसका एकमात्र अपवाद था संजय सिंह की गिरफ्तारी। उस केस में भी धारा 50 को रिकॉर्ड पर नहीं लिया गया था। उनकी गिरफ्तारी के दो साल बाद अपराध का पता चला।

सिंघवी ने ध्यान दिलाया कि "एक को छोड़कर किसी भी गवाह के धारा 50 के बयानों में केजरीवाल का नाम नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि इलैक्टोरल बॉण्ड्स खरीदने वाले बी.एस.आर. रेड्डी ने 17 बयान दिए थे। उन्होंने अप्रेल में नाम लिया था।" केजरीवाल गत 21 मार्च को गिरफ्तार किए गए थे।

केस की सुनवाई मंगलवार को भी जारी रहेगी। इस बीच कोर्ट ने सिंघवी से पूछा कि जमानत का आवेदन निचली अदालत में क्यों है।

सिंघवी ने अभियोजनकर्ता पर चूहा-बिल्ली का खेल खेलने का आरोप लगाया।

सिंघवी ने कोर्ट को बताया कि "हम यह तय करना अभियोजनकर्ता पर निर्भर हैं कि प्रासंगिक क्या है। यह निष्पक्षता नहीं है? शरज रेड्डी केजरीवाल को अप्रेल तक दोषी नहीं ठहराते हैं, लेकिन ई.डी. इसके कारण बता सकती है कि रेड्डी के दसवें बयान को ही क्यों विश्वसनीय माना गया। सह-अपराधी से सरकारी गवाह बने बयान की तुलनात्मक पुष्टि करनी चाहिए, जो कि आपराधिक विधि का एक मूल सिद्धांत है। राघव मगुंता ने 4 बयान दिए, जिनमें से एक भी दोष सिद्धि के लायक एवं विश्वसनीय नहीं था। सरथ रेड्डी अपने 9 बयानों में कोई भी दोषारोपण नहीं करते हैं। उन्हें अपर्याप्त दस्तावेजों में रख दिया गया था। अभियोजनकर्ता की निष्पक्षता सर्वाधिक विचारणीय होती है। दोषमुक्ति सिद्ध करने वाली सामग्री को प्रकाश में लाना अभियोजनकर्ता का दायित्व है। आप चयन ही किसी बयान विशेष का करते हैं। यह चूहे और बिल्ली का खेल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तीस जून को रिटायर हुए कर्मचारियों को वार्षिक वेतन वृद्धि

जयपुर, 29 अप्रेल। राजस्थान हाईकोर्ट ने तीस जून को रिटायर होने वाले कर्मचारियों को राहत देते हुए उन्हें एक जुलाई को होने वाली वेतन वृद्धि का लाभ दिया है। अदालत ने संबंधित कर्मचारियों को एक वार्षिक वेतन वृद्धि की गणना कर एरियर भी देने को कहा है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश शंभू दयाल नागर व अन्य की याचिका पर दिए।

- राजस्थान हाई कोर्ट ने आदेश दिए कि, 30 जून को रिटायर होने वाले कर्मचारियों को एक अप्रैल से लागू होने वाली वेतन वृद्धि की गणना कर एरियर दिया जाए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि, याचिकाकर्ता ग्राम विकास अधिकारी के पद से 30 जून, 2021 को रिटायर हुए थे। सिविल सेवा संशोधित नियम, 2008 के तहत कर्मचारियों को एक साल की सेवा पूरी करने के बाद एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देवेगौड़ा के पौत्र का "सैक्स स्कैण्डल" कर्नाटक के द्वितीय चरण के मतदान से पूर्व रिलीज़ हुआ!

जैसा कि विदित ही है, कर्नाटक में देवेगौड़ा की पार्टी व भाजपा, चुनावी गठबंधन के अंतर्गत मिल कर चुनाव लड़ रहे हैं

- कांग्रेस के प्रवक्ता के अनुसार, भाजपा के नेता देवराज गौड़ा ने भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष को आठ दिसंबर 2023 को पत्र लिखकर आगाह किया था कि, ऐसी कोई पैन ड्राइव सार्वजनिक हो रही है, जिनमें प्रमाण मौजूद हैं, पूर्व प्र.मंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पौत्र प्रज्वल रैवन्ना के, 3000 महिलाओं के "सैक्शुअल अब्यूज़" के प्रकरण में लिप्त होने के बारे में।
- इस "पैन ड्राइव" के किस्से का कर्नाटक के द्वितीय चरण के मतदान पर असर पड़ेगा ही, साथ ही "इंडिया गठबंधन" को मौका मिल गया है, बंगाल के संदेशखाली क्षेत्र में तृणमूल पार्टी के नेताओं के "सैक्शुअल अब्यूज़" के कारनामों के जवाब में भाजपा गठबंधन के साथी जद (एस) पर भी कीचड़ उछालने का।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। भाजपा के सहयोगी जनता दल (सैक्यूलर) के प्रत्याशी प्रज्वल जो कर्नाटक के एक जाने माने राजनैतिक परिवार "देवेगौडा" परिवार से ताल्लुक रखते है, के सैक्स स्कैंडल के रहस्योद्घाटन का समय इससे अधिक बुरा नहीं हो सकता था क्योंकि अभी आधे कर्नाटक में लोकसभा चुनाव के वोट पड़ने शेष हैं।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि पश्चिम बंगाल में संदेशखाली को फोकस कर किया जा रहा भाजपा का तमाम चुनाव प्रचार कर्नाटक में 3,000 महिलाओं के साथ किए गए शृंखलाबद्ध यौन उत्पीड़न पर भाजपा की चुप्पी से बेजान साबित हो सकता है। इससे कर्नाटक में उसके प्रत्याशियों की संभावनाएं कमज़ोर पड़ना तय है।

जे.डी. (एस.) प्रत्याशी एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पौत्र के इस सैक्स स्कैण्डल में शामिल होने के मुद्दे को कांग्रेस ने पहले ही लपक लिया है। कांग्रेस ने भाजपा से प्रश्न किया है कि सारे सबूतों की जानकारी रखने के बावजूद उसने इस कथित बलात्कारी को चुनाव मैदान में उतारने में दिलचस्पी क्यों दिखाई।

कांग्रेस ने इस संबंध में कर्नाटक के भाजपा नेता द्वारा पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को लिखे गए एक पत्र को जारी किया। पत्र में कहा गया था प्रज्वल रैवन्ना द्वारा हजारों युवा लड़कियों से किए गए यौन दुर्व्यवहार के साक्ष्य एक पैन ड्राइव में हैं। पत्र में वह यह बताना चाहते थे कि भाजपा इस काण्ड से अनभिज्ञ नहीं है, लेकिन इसके बावजूद उसने उस कथित प्रत्याशी को चुनाव मैदान में उतारकर उसका समर्थन किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी उसके लिए चुनाव प्रचार किया।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कर्नाटक के भाजपा नेता देवराज गौड़ा द्वारा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को 8 दिसम्बर 2023 को लिखे गए एक पत्र को ट्वीट किया। पत्र में एक पैन ड्राइव की मौजूदगी की बात कही गई है जिसमें प्रज्वल रैवन्ना के अश्लील वीडियो हैं। भाजपा नेता ने पत्र में प्रश्न किया है कि भाजपा ने इसके बावजूद भी जे.डी. (एस.) के साथ चुनावी गठबंधन क्यों किया और सबसे महत्वपूर्ण यह है कि शृंखलाबद्ध बलात्कारों की वीडियो रिकॉर्डिंग कर उन्हें पैन ड्राइव में रखने वाले के खिलाफ कोई एक्शन क्यों नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अन्ततोगत्वा जोधपुर में गजेन्द्र सिंह शेखावत का पलड़ा भारी होता लग रहा है

कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा ने कड़ी टक्कर देने की पूरी कोशिश की, पर शायद किन्हीं कारणों से क्षेत्र के कांग्रेसी नेताओं का उन्हें पूर्ण समर्थन नहीं मिला

- इसके विपरीत गजेन्द्र सिंह के पक्ष में भाजपा एक जुट नज़र आई। प्रदेश के सभी बड़े नेता जोधपुर पहुंचे प्रचार के लिये।
- यू.पी. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रोड शो ने तो माहौल एकदम बदल दिया।
- शेखावत और उचियारड़ा की स्थिति को राजपूत बहुल बी.जे.एस. कॉलोनी में हुई शेखावत व उचियारड़ा की सभा से समझा जा सकता है, जहां शेखावत की सभा में भारी भीड़ थी, वहीं, उचियारड़ा की सभा फीकी रही।
- पूरे चुनाव प्रचार में कुछ विश्वस्त कार्यकर्ताओं के साथ करण सिंह उचियारड़ा अकेले ही संघर्ष करते दिखे और उन्होंने मुकाबला कांटे का बना दिया, पर अंततः शेखावत का पलड़ा भारी होता लग रहा है।

जोधपुर, 29 अप्रेल (कासं)। लोकसभा चुनाव में मतदान के बाद जोधपुर से भाजपा प्रत्याशी तथा जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का पलड़ा भारी होता लग रहा है। कांग्रेस के प्रत्याशी करणसिंह उचियारड़ा ने प्रचार में शेखावत को कड़ी टक्कर तो दी मगर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की उदासीनता ने शेखावत की जीत की राह आसान कर दी। शेखावत के पक्ष में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा फिल्म अभिनेत्री और हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट की भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत के रोड शो की अपार सफलता के बाद से ही शेखावत की जीत की संभावना बढ़ी है।

कांग्रेस प्रत्याशी करणसिंह उचियारड़ा चुनाव मैदान में अकेले ही संघर्ष करते नज़र आ रहे थे। कांग्रेस का कोई भी बड़ा नेता उनके पक्ष में प्रचार करने जोधपुर नहीं आया। उचियारड़ा ने अपने कुछ कार्यकर्ताओं के साथ तुफानी प्रचार कर अपने पक्ष में माहौल बनाने की भारी कोशिश की, पैसा पानी की तरह बहाया। मगर सवाल यह उठता है कि कांग्रेस नेतृत्व ने जोधपुर की उपेक्षा क्यों की? चर्चा है कि चूंकि करण सिंह को सचिन पायलट का बेहद करीबी माना जाता है, इसलिए न तो गहलोत ने उनकी मदद की ना ही किसी और को करने दी। दूसरे शायद गहलोत नहीं चाहते थे कि जोधपुर सीट जहां से उनका बेटा चुनाव हार चुका है , से कोई अन्य कांग्रेसी प्रत्याशी, खासकर जो पायलट खेमे का हो, चुनाव जीते।

यह बात शायद उचियारड़ा के मन में भी रही होगी, इसलिए उन्होंने अपने प्रचार की कमान खुद ही संभाले रखी। उन्होंने खुद को जोधपुर का जाया जन्मा तथा शेखावत को बाहरी बताने पर फोकस बनाए रखा। संजीवनी मामले को उठाकर पीड़ितों की सहानुभूति बंटोरने सहित जोधपुर में विकास कार्य नहीं करवाने की बात लगातार उठाई और चुनाव प्रचार में मुकाबला कड़ा बना दिया।

इधर प्रचार के दौरान ही राजपूत बाहुल्य क्षेत्र बीजेएस कालोनी स्थित शिव मंदिर के मैदान में हुई करणसिंह उचियारड़ा तथा गजेन्द्र सिंह शेखावत की जनसभा भी पिछले दिनों चर्चा में रही। क्षेत्र के निवासी वरिष्ठ नागरिक गोपाल सिंह राठौड़ (जालसू) ने बताया कि इन दोनों प्रत्याशियों की सभा की भीड़ ने ही स्पष्ट कर दिया था कि शेखावत का पलड़ा भारी है। शिवमन्दिर मैदान में शेखावत की सभा में उमड़ी भीड़ ने पिछले दस वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया जबकि इस सभा में शेखावत के अलावा वक्ता के रूप में केवल स्थानीय नेता ही थे। दूसरी तरफ उचियारड़ा की सभा में भीड़ नहीं जुट पाई।

इसके बाद उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने शेखावत के समर्थन में रोड शो कर शेखावत के पक्ष में माहौल बनाया। दोनों रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी।

गजेन्द्र सिंह शेखावत को वर्ष 2014 में भाजपा ने पहली बार जोधपुर लोकसभा क्षेत्र से अपना प्रत्याशी बनाया था। उस समय शेखावत का चेहरा जोधपुर के लोगों के लिए नया था। मगर मोदी लहर के चलते उस चुनाव में शेखावत ने भारी अन्तर से शानदार जीत दर्ज की थी। शेखावत ने कांग्रेस प्रत्याशी तथा पूर्व जोधपुर नरेश गजसिंह की बहन चंद्रेश कुमारी को 4 लाख दस हजार से अधिक वोटों से हराया था और परिणाम स्वरूप उन्हें केन्द्र सरकार में राज्य मंत्री बनाया गया।

इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को दो लाख 74

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा में एक और कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की

कोटा, 29 अप्रेल (निसं)। शहर के कुन्हाड़ी थाना इलाके के लैंडमार्क कोचिंग इलाके में एक और कोचिंग छात्र की आत्महत्या का मामला सामने आया है। छात्र हरियाणा के रोहतक से मेडिकल प्रवेश परीक्षा नेशनल एलिजबिलिटी कम एन्ट्रेंस एग्ज़ाम की तैयारी करने कोटा आया था।

- रोहतक का रहने वाला छात्र, 19 वर्षीय सुमित कुमार नीट के लिए आया था। सुमित के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच तहकीकात शुरू कर दी। छात्र के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने एम.बी.एस. अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस उपाधीक्षक द्वितीय, राजेश कुमार सोनी ने बताया कि घटना रविवार रात करीब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)